भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2493

जिसका उत्तर 08 अगस्त, 2022 को दिया जाना है।

.....

भू-जल के स्तर में गिरावट

2493. श्री एस. कल्याणसुन्दरमः

क्या **जल शक्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) तमिलनाडु के डेल्टा जिलों में भू-जल भंडार की स्थिति क्या है;

(ख) भू-जल भंडार के स्तर में गिरावट को कम करने के लिए क्या-क्या कदम उठाए गए हैं और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) भू-जल स्तर पर एकल उपयोग प्लास्टिक का क्या प्रभाव है और ऐसे प्रभाव को कम करने के लिए क्या-क्या कदम उठाए गए हैं;

(घ) तमिलनाडु के डेल्टा जिलों में भू-जल के संदूषण की स्थिति क्या है; और

(ङ) भू-जल संदूषण को कम करने के लिए क्या-क्या कदम उठाए गए हैं और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

जल शक्ति राज्य मंत्री (श्री बिश्वेश्वर टूडू)

(क): तमिलनाडु सहित देश के परिवर्तनशील भूजल संसाधन का केंद्रीय भूजल बोर्ड (सीजीडब्ल्यूबी) एवं राज्य सरकारों द्वारा सावधिक आधार पर संयुक्त रूप से आकलन किया जाता है। वर्ष 2020 के आकलन के अनुसार तमिलनाडु के डेल्टा जिलों (अरियालुर, कुड्डालोर, नागपट्टिनम, पुदुकोट्टटी, थनाजावुर, थिरुवरुर और थिरुचिरापल्ली) में वार्षिक निकास योग्य भूजल संसाधन 3.95 बीसीएम हैं।

(ख): जल राज्य का विषय है, वर्षा जल संचयन के प्रभावी कार्यान्वयन सहित भूजल के संरक्षण का कार्य राज्यों के अधिदेश के तहत है, केंद्र सरकार द्वारा तमिलनाडु सहित देश में इस संबंध में कई महत्वपूर्ण उपाय किए गए हैं, जिन्हें http://jalshakti-dowr.gov.in/sites/default/file/Steps% 20taken%20by%20the%20Central%20Govt%20for%20water_depletion_july2022.pdf. पर देखा जा सकता है।

भारत सरकार द्वारा तमिलनाडु सहित देश में जल शक्ति अभियान (जेएसए) का कार्यान्वयन किया जा रहा है। प्रथम जेएसए की शुरुआत वर्ष 2019 में 256 जिलों के जल की कमी वाले ब्लॉकों में की गई थी जिसे वर्ष 2021 के दौरान (पूरे देश में ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में) भी जारी रखा गया जिसका प्राथमिक उद्देश्य कृत्रिम पुनर्भरण संरचनाओं के निर्माण, वाटरशेड प्रबंधन पुनर्भरण और पुन: उपयोग संरचनाओं के निर्माण गहन वनरोपण और जागरूकता सृजन आदि के माध्यम से मानसून के वर्षा जल का प्रभावी संचयन करना था। वर्ष 2021 और 2022 के लिए जेएसए की शुरुआत माननीय प्रधान मंत्री और माननीय राष्ट्रपति द्वारा क्रमशः दिनांक 22.03.2021 और 29.03.2022 को की गई थी।

माननीय प्रधान मंत्री ने 24 अप्रैल, 2022 को अमृत सरोवर मिशन का शुभारंभ किया। इस मिशन का उद्देश्य आजादी का अमृत महोत्सव के उत्सव के रूप में तमिलनाडु सहित देश के प्रत्येक जिले में 75 जल निकायों का विकास और पुनरुद्धार करना है।

केंद्र सरकार राज्यों के सहयोग से गुजरात, हरियाणा, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के कुछ जल संकट वाले क्षेत्रों में 6,000 करोड़ रुपये के परिव्यय से अटल भूजल योजना का कार्यान्वयन कर रही है। इस योजना का मूल उद्देश्य ग्रामीण स्तर पर स्थानीय समुदायों को शामिल करके वैज्ञानिक साधनों के माध्यम से मांग पक्ष प्रबंधन करना है जिससे लक्षित क्षेत्रों में स्थायी भूजल प्रबंधन किया जा सके।

भूजल के कृत्रिम रिचार्ज हेतु मास्टर योजना-2020 सीजीडब्ल्यूबी द्वारा राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के परामर्श से तैयार की गई है जिसमें 1.42 करोड़ वर्षा जल संचयन एवं कृत्रिम रिचार्ज संरचनाओं को देश में निर्माण करने की अभिकल्पना की गई है जिसका उद्देश्य 185 बीसीएम जल मानसून के दौरान वर्षा से संग्रह करना है। इस योजना में तमिलनाडु के लिए उचित संरचनाओं का उल्लेख किया गया है।

राष्ट्रीय जलभृत मानचित्रण एवं प्रबंधन कार्यक्रम (एनएक्यूयूआईएम) सीजीडब्ल्यूबी द्वारा क्रियान्वित किया जा रहा है। इसमें जलभृत (जलधारक संरचनाएं) के मानचित्रण तथा जलभृत प्रबंधन योजना की विशेषता एवं विकास की अभिकल्पना की गई है ताकि तमिलनाडु सहित देश में भूजल संसाधनों के संपोषणीय प्रबंधन को सुकर बनाया जा सकते। एनएक्यूयूआईएम द्वारा दी गई जानकारी को उपयुक्त हस्तक्षेप हेतु राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के साथ साझा किया जाता है। तमिलनाडु में एनएक्यूयूआईएम के अंतर्गत अभिचिन्हित संपूर्ण क्षेत्र पूरा किया जा चुका है।

कई राज्यों द्वारा जल संरक्षण/संचयन के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए गए हैं जैसे राजस्थान में 'मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान', महाराष्ट्र में 'जलयुक्त शिबर', गुजरात में 'सुजलम सुफलाम अभियान', तेलंगाना में 'मिशन काकतीय', आंध्र प्रदेश में 'नीरू चेट्टू', बिहार में 'जल जीवन हरियाली', हरियाणा में 'जल ही जीवन' और तमिलनाडु में 'कुडीमारमथ स्कीम' आदि।

(ग): सीजीडब्ल्यूबी ने भूजल तालिका में प्लास्टिक के एकल उपयोग के प्रभाव पर कोई अध्ययन नहीं किया है। तथापि, देश के विभिन्न भागों में भूजल स्तरों में विभिन्न उपयोगों हेतु जल की मांग में वृद्धि, वर्षा की असमानता, बढ़ती आबादी एवं औद्योगिकीकरण तथा शहरीकरण आदि के कारण ह्रास हो रही है। विभिन्न सरकारों द्वारा देश में भूजल भंडार में वृद्धि हेतु किए जाने वाले कुछ उपाय उपर्युक्त पैरा (ख) में दिए गए हैं।

(घ): सीजीडब्ल्यूबी अपने भूजल गुणवत्ता निगरानी कार्यक्रम और विभिन्न वैज्ञानिक अध्ययनों के हिस्से के रूप में क्षेत्रीय स्तर पर तमिलनाडु के डेल्टा जिलों सहित देश के भूजल गुणवत्ता डेटा तैयार करता है। ये अध्ययन तमिलनाडु के डेल्टा जिलों के हिस्सों में छिट-पुट पॉकेटों में मानव उपभोग के लिए फ्लोराइड, आर्सेनिक, नाइट्रेट, लौह और भारी धातुओं जैसे दूषित पदार्थों अनुमेय सीमा से अधिक (बीआईएस के अनुसार) की घटना का संकेत देते हैं। तमिलनाडु के डेल्टा जिलों में भूजल के दूषित होने का विवरण **अनुलग्नक** में दिया गया है।

(ङ): जल राज्य का विषय होने के कारण इसकी गुणवत्ता सहित जल प्रबंधन पर पहल मुख्य रूप से राज्यों की जिम्मेदारी है; हालाँकि, तमिलनाडु सहित देश में भूजल प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए केंद्र सरकार द्वारा विभिन्न कदम उठाए गए हैं।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों/प्रदूषण नियंत्रण समितियों (एसपीसीबी/पीसीसी) के सहयोग से जल में प्रदूषण को रोकने और नियंत्रित करने के लिए तमिलनाडु सहित देश में जल (रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम, 1974 और पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के प्रावधानों को लागू कर रहा है।

भारत सरकार, राज्यों के साथ साझेदारी में, जल जीवन मिशन (जेजेएम) को अगस्त, 2019 से लागू कर रही है ताकि 2024 तक तमिलनाडु सहित देश के प्रत्येक ग्रामीण परिवार को निर्धारित गुणवत्ता और नियमित और दीर्घकालिक आधार पर पीने योग्य नल का पानी उपलब्ध कराया जा सके। जेजेएम द्वारा घरों में नल के पानी की आपूर्ति के लिए जलापूर्ति योजनाओं की योजना बनाते समय गुणवत्ता प्रभावित बस्तियों को प्राथमिकता दी जाती है। किसी विशेष वित्तीय

वर्ष में राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को धनराशि आवंटित करते समय, रासायनिक संदूषकों से प्रभावित बस्तियों में रहने वाली आबादी को 10% वेटेज दिया जाता है।

चूंकि, एक सुरक्षित जल स्रोत के आधार पर पाइप जलापूर्ति योजनाओं की योजना, कार्यान्वयन और चालू करने में समय लग सकता है, विशुद्ध रूप से एक अंतरिम उपाय के रूप में, राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को ऐसी बस्तियों में सामुदायिक जल शोधन संयंत्र (सीडब्ल्यूपीपी) स्थापित करने की सलाह दी गई है, ताकि पीने और खाना पकाने की जरूरतों को पूरा करने के लिए हर घर को 8-10 लीटर प्रति व्यक्ति प्रति दिन (एलपीसीडी) की दर से पीने योग्य पानी उपलब्ध कराया जा सके।

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय, अटल नवीकरण और शहरी परिवर्तन मिशन (अमृत) के माध्यम से शहरी क्षेत्रों में सुरक्षित और स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए तमिलनाडु सहित राज्य सरकारों के प्रयासों को पूरा करता है। इसके अलावा, अमृत-2.0 को 01 अक्टूबर 2021 को 05 वर्षों (वित्त वर्ष 2021-22 से 2025-26) की अवधि के लिए लॉन्च किया गया था, जिसका उद्देश्य देश के सभी सांविधिक शहरों में कार्यात्मक घरेलू नल कनेक्शन के माध्यम से पानी की आपूर्ति का सार्वभौमिक कवरेज प्रदान करना था।

अखिल भारतीय प्रयोज्यता के साथ भूजल निष्कर्षण के नियंत्रण और विनियमन के लिए भारत सरकार द्वारा 24 सितंबर, 2020 को दिशा-निर्देश अधिसूचित किए गए हैं। दिशा-निर्देशों में भूजल प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए अपनाए जाने वाले उपायों पर उपयुक्त प्रावधान शामिल हैं।

इसके अलावा, यदि उपयुक्त भूजल पुनर्भरण/वर्षा जल संचयन के माध्यम से भूजल संसाधनों में सुधार के लिए ठोस प्रयास किए जाएं तो भूजल की गुणवत्ता में कुछ हद तक सुधार किया जा सकता है। भारत सरकार ने इस दिशा में कई पहलें की हैं जिनका उल्लेख ऊपर पैरा (ख) में दिया गया है।

****

अनुलग्नक

"भू-जल के स्तर में गिरावट" के संबंध में दिनांक 08.08.2022 को राज्य सभा में उत्तर दिए जाने वाले अतारांकित प्रश्न सं. 2493 के भाग (घ) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

तमिलनाडु में डेल्टा जिलों के कुछ हिस्सों में भूजल में चुनिंदा प्रदूषकों का विवरण

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	**लवणता (3000 माइक्रो एमएचओएस/सेमी) (ईसी: विद्युत चालकता)**	**फ्लोराइड (1.5 मिलीग्राम/लीटर से ऊपर)**	**नाइट्रेट (45 मिलीग्राम/लीटर से ऊपर)**	**आर्सेनिक (0.01 मिलीग्राम/लीटर से ऊपर)**	**लोहा (1मिलीग्राम/लीटर से ऊपर)**	**भारी धातु: सीसा (0.01 मिलीग्राम/लीटर से ऊपर) क्रोमियम (0.05 मिलीग्राम/लीटर से ऊपर)**
तमिलनाडु (डेल्टा जिले)	कुड्डालोर, नागपट्टिनम, पुदुक्कोट्टई, तंजावुर, तिरुचिरापल्ली, तिरुवरूर	कुड्डालोर, पुदुक्कोट्टई, तिरुचिरापल्ली, तंजावुर, तिरुवरुर	अरियालुर, कुड्डालोर, पुदुक्कोट्टई, तंजावुर, नागपट्टिनम,	अरियालुर, कुड्डालोर, नागपट्टिनम थिरुवरुर तिरुचिरापल्ली,	कुड्डालोर, नागपट्टिनम, पुदुक्कोट्टई, तंजावुर, तिरुवरुरी	सीसा: कुड्डालोर, पुदुक्कोट्टई, क्रोमियम: कुड्डालोर

******